<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 3506

16 मार्च, 2020 को उत्तर के लिए

इस्पात की घटती मांग

3506. श्रीमती शर्मिष्ठा सेठीः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सही है कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इस्पात की मांग हाल ही में घटी है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) मांग में गिरावट से इस्पात उद्योग को बचाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) और (ख): जी नहीं। नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस्पात की घरेलू माँग निम्नलिखित तालिका में दी गई है:-

तैयार इस्पात की खपत मिलियन टन में

	खपत	**% परिवर्तन**
अप्रैल-जनवरी, 2019	80.8	
अप्रैल-जनवरी, 2020	83.9	3.8

(स्रोत: जेपीसी)

आंकड़ों के अनुसार इस्पात की घरेलू माँग में कोई गिरावट नहीं आई है। तालिका से प्रदर्शित होता है कि अप्रैल-जनवरी, 2020 के दौरान इस्पात की माँग 83.9 मिलियन टन थी, जो पिछले वर्ष की उसी अवधि की तुलना में 3.8% अधिक है।

(ग): घरेलू इस्पात उद्योग को माँग में हो रही गिरावट से बचाने तथा घरेलू इस्पात उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने वर्ष 2022 तक सभी को आवास उपलब्ध कराने और सभी घरों में पाइप के जरिए पानी पहुँचाने के साथ बेहतर अवसंरचना, रेलवे, सड़क पर बल देने सहित राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017, घरेलू विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पादों की खरीद (डीएमआई एंड एसपी) नीति, स्टील स्क्रैप नीति, इस्पात आयात निगरानी प्रणाली (एसआईएमएस) लागू की है। इन सभी पहलों से घरेलू इस्पात की माँग में वृद्धि होने की आशा है।

****